Hindi update on export of Hydroxychloroquine

दुनिया के लगभग सभी देश कोरोना वायरस के संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे दौर में जो देश सक्षम हैं, वे अन्य देश की मदद कर रहे हैं। कई देश एक-दूसरे को मास्क और मेडिकल सूट दे रहे हैं तो कोई दवाइयां पहुंचा रहा है। इस वक्त हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन (hydroxychloroquine) नामक दवा की मांग बहुत ज्यादा है और भारत इसका सबसे बड़ा निर्यातक है। हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन दवा का इस्तेमाल मलेरिया में होता है लेकिन कोरोना वायरस से लड़ने में भी हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन मदद कर रही है।

ये टेबलेट कोरोनावायरस की एक मात्र प्रिवेंटिव मेडिसिन (रोग निरोधक दवा) है। ऐसे डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ जो कोरोनावायरस के पॉजिटिव मरीजों का उपचार करने के लिए लगातार उनके संपर्क में रहते हैं, उन्हें यह दवाई दी जाती है। यह दवा कोरोना के इलाज में कुछ हद तक कारगर है। बचाव के अलावा अभी इस बीमारी का कोई और इलाज नहीं है, इसलिए यही दवा उपयोग में ली जा रही है। इसलिए अचानक इस टेबलेट की मांग पूरे विश्व में बढ़ गई है।

भारत के इस दवाई के उत्पादक अभी 10 मेट्रिक टन का उत्पादन करते हैं। यह बढ़ाकर 40 मिनट रिक्तम तक किया जा सकता है। अगर जरूरत पड़ी तो इसकी उत्पादन क्षमता 70 मैट्रिकटन तक भी की जा सकती है । इस तरह से 35 करोड़ 200 एमजी की टेबलेट बनाई जा सकती हैं। भारत में इसकी जरूरत एक करोड़ गोली से ज्यादा नहीं है।

सरकार ने नोटिफिकेशन 54/2015-20 दिनांक 25।03।2020 द्वारा हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन (hydroxychloroquine) दवाई के निर्यात पर पाबंदी लगा दी थी लेकिन कुछ शर्तों पर निर्यात करने की अनुमति दी थी। हमने अपने website में भी इसके बारे में आपको बताया था। अपनी वेबसाइट पर सभी कस्टम, डीजीएफटी तथा जीएसटी के नोटिफिकेशन upload करते हैं और उस पर अपना मत भी देते हैं।इन शब्दों में एक शर्त यह भी थी कि सरकार मानवीय पक्ष को देखते हुए case to case basis पर इसके निर्यात की अनुमति दे सकती है।

अमेरिका भी हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन (hydroxychloroquine) का बड़ा आयातक है और भारत अमेरिका को भी ये दवाई निर्यात करता था। परन्तु दरअसल कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए सरकार ने इस दवाई के निर्यात पर पूर्ण रूप से पाबन्दी लगा दी। सरकार का मानना था कि करुणा से लड़ने के लिए भारतीय मांग में भी काफी बढ़ोतरी होगी। अतः इसको भी इस दवाई की बहुत जरूरत होगी। इसीलिए यह पाबंदी लगाई गई थी।कोरोना संकट से घिरे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा के ऑर्डर की आपूर्ति करने के लिए भारत से आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मानवता के नाते पाबन्दी होने पर भी ऊपर दी गई शक्ति का प्रयोग करते हुए अमेरिका को दवाई निर्यात की।

अब कैनेडा, श्रीलंका, नेपाल, स्पेन, जर्मनी इत्यादि अनेक देशों ने भी भारत से हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन (hydroxychloroquine) के निर्यात का आग्रह किया है परन्तु भारत सरकार ने Notification no। 01/2015-20 dated 04।04।2020 द्वारा अब हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन के **निर्यात पर पूर्ण रूप से**

पाबन्दी लगा दी है। जो सरकार को शक्ति दी गई थी कि वह case to case basis पर यह निर्णय ले सकती है, उसको भी हटा दिया गया है।

अब सरकार भी इस दवाई के एक्सपोर्ट की इजाजत नहीं दे सकती है।

This is solely for educational purpose.

You can reach us at www.capradeepjain.com, at our facebook page on https://www.facebook.com/GSTTODAYBYPRADEEPJAIN/ as well as follow us on twitter at https://www.twitter.com/@capradeepjain21.